बेहतर बचपन के लिए तैयार हो रहा शहर

उदयपुर के आंगनवाड़ी केंद्र और प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र बनेंगे मॉडल

उदयपुर शहर के आंगनवाड़ी केन्द्रों और प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों (पी .एच. सी.) के दिन फिरने वाले हैं। ये केंद्र जल्दी ही किसी सर्व-सुविधायुक्त निजी प्ले स्कूल और अस्पतालों को टक्कर देते नज़र आयेंगे। इन केन्द्रों पर आते समय अभिभावक और बच्चे न किसी प्रकार की सुविधाओं में कमी पायेंगे और न ही सुई से डरेंगे। नगर निगम, उदयपुर अपने परिधि क्षेत्र के आंगनवाड़ी केन्द्रों और पी. एच. सी. को ५ साल तक के बच्चों के लिए चाइल्ड फ्रेंडली और सभी आवश्यक सुविधाओं से युक्त बनाने जा रहा है। इसकी शुरुआत मनोहरपुरा आंगनवाड़ी केंद्र और माछला मगरा पी .एच. सी.से हो रही है।

निगम आयुक्त हिम्मतसिंह बारहठ कहते हैं कि बच्चों से जुड़ी सरकारी सुविधाओं को लेकर अक्सर लोगों की आम राय बहुत ज्यादा अच्छी नहीं होती, जबकि वहां मिलने वाली सुविधाओं का स्तर बहुत अच्छा है। आंगनवाड़ी केंद्र पर बच्चों के शाला पूर्व शिक्षा और समग्र विकास के लिए तमाम सेवाएं मौजूद होने के बावजूद लोग उसे केवल पोषण के लिए ही जानते हैं। परिवार अपने बच्चों को आंगनवाड़ी भेजने की बजाय महंगे प्राइवेट स्कूल भेजते हैं, जबकि 5 साल तक की उम्र में बच्चे के विकास के सारे आयाम एक आंगनवाड़ी पर पूरे होते हैं। इसके पीछे कई बार अभिभावक तर्क देते हैं कि आंगनवाड़ी की छवि अच्छी नहीं है। इसी छवि को सुधारने के उद्देश्य से नगर निगम अर्बन ५ परियोजना के द्वारा आंगनवाड़ी केन्द्रों को आधुनिक स्वरुप देने जा रहा है।

ठीक इसी प्रकार से पी .एच. सी. पर भी बच्चों और उनके अभिभावकों के लिए सुविधाएं बढ़ने के प्रयास हो रहे है ताकि बच्चे अस्पताल आते हुए किसी प्रकार का डर या झिझक महसूस नहीं करे।

नगर निगम उदयपुर के साथ मिलकर बर्नार्ड वेन लीयर फाउंडेशन, इकली साउथ एशिया और इकोरस इंडिया के साझे में अर्बन ५ परियोजना के द्वारा शहर को बच्चों और उनके अभिभावकों के लिए बेहतर बनाने के उद्देश्य के अंतर्गत उक्त प्रोजेक्ट सम्पादित किये जा रहे हैं।

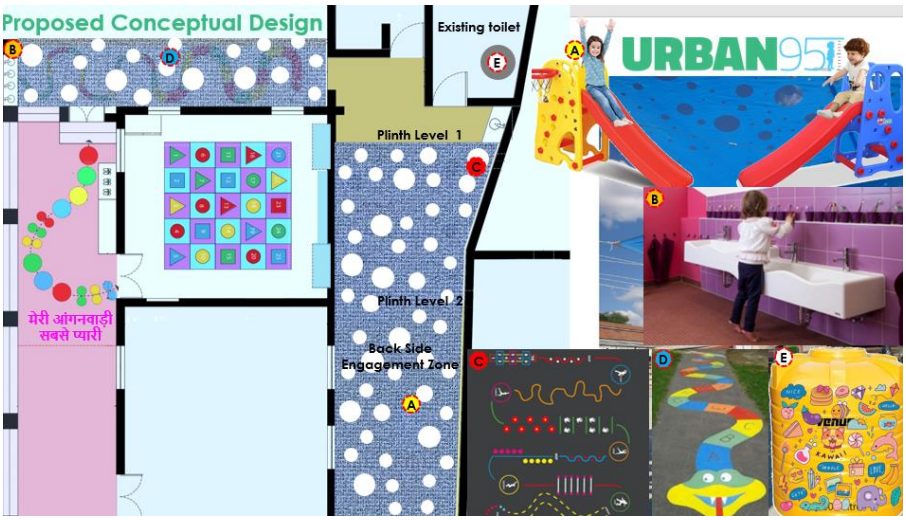

बच्चों का नामांकन और ठहराव बढ़ सकेगा: आंगनवाड़ी केन्द्रों को मॉडल केंद्र बनाने का मुख्य उद्देश्य अधिक से अधिक बच्चों के समग्र बाल विकास को बढ़ावा देना है। बच्चे केंद्र पर आयेंगे और अधिकतम समय रुकेंगे तो इस से उनकी शाला पूर्व शिक्षा गतिविधियाँ ठीक प्रकार से हो सकेंगी। बच्चे सहज और सुरक्षित परिवेश में अन्य बच्चों के साथ घुल मिल कर खेल खेल में शिक्षा प्राप्त कर सकेंगे। इसके लिए केंद्र की दीवारें, छत, फ्लोर आदि पर विभिन्न प्रकार की खेल गतिविधियाँ डिजाइन की जाएँगी। दीवारों पर बच्चों के लिए जहाँ विभिन्न पज़ल, अबेकस आदि गतिविधियाँ होंगी, वहीँ केंद्र में बच्चों की आयु अनुसार समूह बनाकर उनके शिक्षण के स्थान भी विकसित किये जायेंगे। केंद्र की दीवारों को नीचे से ३ फीट तक ब्लेक-बोर्ड के रूप में विकसित करते हुए "बाला " पेंटिंग के स्थान विकसित किये जायेंगे।

केंद्र में बच्चों के लिए बाहर की ओर खेलने का स्थान विकसित किया जाना प्रस्तावित है, वहीँ बच्चों की लम्बाई के अनुसार शौचालय और पीने के पानी का स्थान विकसित करने, खेल सामग्री आदि के लिए भी स्थान का चयन हो गया है।

इसके लिए मनोहरपुरा स्थित प्राथमिक विद्यालय के एक कक्ष को विकसित किया जा रहा है। कक्ष के पीछे की ओर शौचालय

और अहाते में खुले में बच्चों के लिए खेलने का स्थान विकसित किया जाना प्रत्सवित है। बरामदे में बच्चों के खेल, बैठक और जूता घर बनाया जाना प्रस्तावित है। केंद्र को हरा भरा बनाये जाने के कार्य भी प्रस्तावित है। पूरे समय पानी और बिजली आपूर्ति के भी प्रयास किये जा रहे हैं। खेलने के स्थान और शौचालय के बाहर बच्चों के हाथ धोने के स्थान विकसित किये जाने प्रस्तावित है।

बाल एवं मातृत्व स्वास्थ्य के अवसर और बेहतर होंगे: पी.एच.सी., माछला मगरा में चिकित्सक कक्ष, टीकाकरण कक्ष, पूछताछ एवं रजिस्ट्रेशन कक्ष, वेटिंग एरिया आदि को बाल मित्र बनाने के लिए डिजाइन तैयार की गयी है। अभिभावकों के बैठने के स्थान, वेटिंग के दौरान बच्चों के लिए "डेडिकेटेड" खेलने के स्थान, बच्चों की लम्बाई के अनुसार शौचालय और वाश बेसिन आदि का प्रावधान है।

केंद्र में बच्चों के लिए चित्रों के माध्यम से स्टोरी टेलिंग, फर्श पर चित्रकारी, दीवारों पर बच्चों के लिए खेल और अभिभावकों के लिए जानकारी-परक सन्देश आदि के लिए प्रावधान किये जाना प्रस्तावित है। स्टाफ के लिए अलग से कक्ष तथा बच्चों के टीकाकरण और जांच के लिए विशेष क्षेत्र डिजाइन किया जाना प्रस्तावित है। केंद्र के बाहर बेहतर पार्किंग सुविधा, सड़क पार करने के लिए सुविधा आदि भी प्रस्तावित है।

पी.एच.सी. को भविष्य में राष्ट्रीय गुणवत्ता सूचकांक स्कीम (नेशनल क्वालिटी अश्योरेंस स्कीम- NQAS) के अंतर्गत उच्च ग्रेडिंग दिलवाने के लिए भी चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग के साथ मिलकर प्रयास किये जायेंगे।

अन्य केंद्र भी प्रेरणा ले सकेंगे: परियोजना के दूसरे चरण में अन्य आंगनवाड़ी केन्द्रों और पी.एच.सी. को भी विकसित किये जाने की योजना है। साथ ही मॉडल केन्द्रों के माध्यम से अन्य भामाशाहों से भी यह अपील की जाएगी कि वे इन केन्द्रों से प्रेरणा लेकर अन्य केन्द्रों को भी विकसित किया जा सके। इस से शहर में बच्चों और उनके अभिभावकों के लिए सहज, सुरक्षित और सुगम परिवेश का निर्माण हो सकेगा।